Vol 6 Issue 3 Dec 2016

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.ror.isrj.org

Review Of Research

ISSN: 2249-894X Impact Factor : 3.8014(UIF) Volume - 6 | Issue - 3 | December - 2016

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अर्थिक सर्वेक्षण

डॉ.राजू रैदास

अतिथि विद्वान (वाणिज्य) , शासकीय महाविद्यालय उमरिया (म.प्र.) भारत .

शोध सारांश –

सरकार की नई फसल की बीमा योजना किसानों के लिए किसी संजीवनी से कम नही होती है। वर्ष २०१६ में किसानों के लिये इससे बड़ा तोहफा नहीं हो सकता है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह फसल बीमा किसानों का भाग्य बदल देगी। इसकी विशेषता यह है कि किसान खेतों में खड़ी फसल कटाई के बाद खलिहान में पड़ी उपज अथवा बुवाई के बाद पौधों, पेड़ों का बीमा करा सकेगें। सरकार की कम प्रीमियम, बड़े बीमा पालिसी यह योजना किसानों की क्रय शक्ति में इजाफा करेगी। प्राकृतिक आपदा में नष्ट होने वाली फसलों का १०० फीसदी मुआवजा मिलेगा और वह भी महज १५ फीसदी प्रीमियम अदा करने पर। केंद्र सरकार व राज्य सरकारें शेष पांच गुना प्रीमियम राशि ५०.५० के हिसाब से वहन करेगी।

प्रस्तावना –

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए २६ जुलाई २०१४ को कहा था– हमें दो चीजों को सिद्ध करना है –''पहला तो यही कि हमारा किसान देश और दुनिया का पेट भरने में सामर्थ्यवान है और दूसरा हमारी कृषि किसानों की जेब भरने में समर्थ हो।'' पिछले डेढ़ वर्षों में किसान हित में जिस तेजी से योजनाएँ आ रही है उससे लगता है कि आने वाले समय में प्रधानमंत्रीजी की

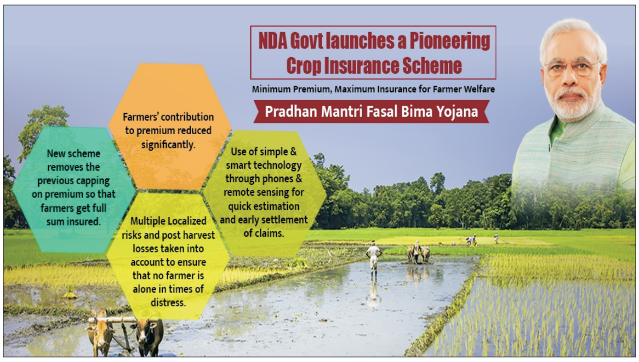

यह बात साबित होगी।

विभिन्न आपदाओं से कृषिगत उत्पादन में होने वाले नुकसान की बेहतर व सुगम भरपाई के लिये नई किसान हितैषी फसल बीमा योजना खरीफ २०१६ से लागू की गई है। इस योजना को केन्द्रीय मंत्रीमण्डल ने १३ जनवरी २०१६ को मंजूरी प्रदान की थी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना नाम की योजना ने २०१० में लागू की गई। संधोधित फसल बीमा योजना का स्थान लिया है। नई योजना के तहत किसानों को कम लागत पर ही ज्यादा लाभ प्रदान करने व्यवस्था की गई है। पुर्ववर्ती सभी फसल बीमा योजनाओं की समीक्षा कर नए फीचर शामिल कर बनाई गयी नई फसल बीमा योजना से बेहतर बताया गया है, इस योजना के तहत किसानों द्वारा देय प्रीमियम की राशि बहुत कम रखी गई है। खरीफ की सभी उपजों के लिए बीमित राशि का २.० प्रतिशत तथा रबी उपजों के मामलों में १.५ प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान ही किसानों को करना होगा। वार्षिक वाणिज्यिक व बागवानी फसलों के मामले में किसानो द्वारा देय बीमित प्रीमियम राशि ५.० प्रतिशत होगा तथा शेष प्रीमियम की अदायगी सरकार द्वारा किया जावेगा।

मुख्य बिन्दु –

१.किसानों द्वारा सभी खरीफ फसलों के लिए केवल २.० प्रतिशत एवं सीाी रबी फसलों के लिए १.५ प्रतिशत का एक समान प्रीमियम का भुगतान किया जाता है। वार्षिक वाणिज्यिन एवं बागमानी फसलों के मामलों में प्रीमियम केवल ५.० प्रतिशत रहता है।

२.किसानों द्वारा भुगतान किये जाने वाले प्रीमियम बहुत ही कम और शेष प्रीमियम का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है ताकि किसी भी प्रकार प्राकृतिक आपदाओं में फसल हानि के लिये किसानों को पूर्ण बीमित राशि का भुगतान किया जा सके।

३.सरकारी सबसिडी पर कोई ऊपरी सीमा नही है व भले ही शेष प्रीमियम ६० प्रतिशत है यर सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

४.इससे पहले प्रीमियम दर पर केपिंग का प्रावधान था कि जिससे किसानों को कम से कम दावे का भुगतान होता था, इब इसे हटा दिया गया है। और किसानों को बीमा किसी कटौती के पूरी की पूरी बीमित राशि का दावा मिलता है।

५.सत्र २०१६-१७ के बजट में प्रस्तुत योजना का आबंटन ५५५० करोड़ रूपये का है।

६.बीमा योजना को एक मात्र बीमा कम्पनी भारतीय कृषि बीमा कम्पनी (ाप्ब) द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

७.PMFBY द्वारा राष्ट्रीय कृर्षि बीमा योजना (NAIS) एवं संशोधित राष्ट्रीय कृर्षि बीमा योजना (MNAIS) की एक प्रतिस्थापना योजना है और इस लिए इसे सेवाकर से मुक्त रखा गया है।

उद्देश्यु –

१.प्राकृतिक आपदाओं, कीट एवं रोगों के परिणामस्वरूप अधिसूचित फसल मे से किसी की विफलता स्थिति किसानों को बीमा कवरेज और वित्तीय सहायता प्रदान करना।

२.कृर्षि में किसानों की सतत प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए उसकी आय को स्थायित्व देना।

३.किसानों को कृषि में नवाचार एवं आधुनिक पद्धति को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

४.कृर्षि क्षेत्र में ऋण के प्रवाह को सुनिश्चित करना।

प्रविधि –

जानकारी हेतु द्वितीयक समंकों का उपयोग किया गया है द्वितीयक समंक सूचनाओं के लिये संद्रर्भित पुस्तकों,

पत्रपत्रिकाओं एवं इन्टरनेट का उपयोग किया गया है।

अध्ययन की उपयोगिता –

प्रस्तुत अध्ययन से भारत में कृषि एवं कृषकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा तथ कृषि विकास आधार स्तम्भ साबित होगा। किसानों के जीवन स्तर में सुधार एवं आय में वृद्धि होगी। प्राकृतिक एवं दैवी आपदाओं के परिणामस्वरूप फसलों को होने वाली हानि से रक्षा करने तथा कसानों को वित्तीय सुविधा प्रदान कर अगले मौसम में उनकी ऋण पात्रता बनाये रखने के लिए यह बीमा योजना उपयोगी होगी। इस योजनाओं से बाढ़, सूखा, चक्रवात, आग, व ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं तथा कीट व बीमारियों के कारण फसल को हुई क्षति से किसानों को संरक्षण प्रदान करना है। यह योजना जोत के आकार पर ध्यान दिये बिना ऋणी व गैर ऋणी सभी किसानों के लिए स्वीकार की गई है।

निष्कर्ष –

भारतीय कृषि की अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए भारतीय कृषि आयोग ने फसल बीमा योजना आवश्यक ही नही बल्कि अपिरिहार्य बताया है।

किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ पशुपालन बागवानी एवं मत्स्य पालन को भी बढावा देने की दिशा में पहल की जा चुकी है। इस कदम से लघु एवं सीमान्त किसानों को भी काफी फायदा पहुचने की उम्मीद है। पिछले डेढ़ वर्षों में किसान हित में जिस तेजी से नई योजनाएँ आ रही है उससे लगता है कि आने वाले समय में प्रधानमंत्री जी की यह बात सही होगी। कृषि घाटे का सौदा न रहकर एक व्यवसाय की तरफ फलेगी-फूलेगी जिससे विश्व बाजार में न केवल कृषि खाद्य उत्पादन की गुणवत्ता स्थापित होगी, बल्कि किसानों की आय भी बढ़ेगी।

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

१.समसामयिक वार्षिकी (२०१६)।
२.भारतीय अर्थव्यवस्था।
३.कृषक सुरक्षा राष्ट्रीय मासिक पत्रिका म.प्र.भोपाल।
४.www.google.com/wikipedia.com
५.www. Relating Insurance sites

डॉ.राजू रैदास
अतिथि विद्वान (वाणिज्य) , शासकीय महाविद्यालय उमरिया (म.प्र.) भारत .

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-
413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com